इश्क़ का रंग

तेरे इश्क़ की जो मज़ा है, तेरे बिन क्या यह सज़ा है, में जो कही तेरे बिना, तू होता मोजुद पहले से वहा,,,, ना जगह कही तेरे बिना, यही है रंग तेरे इश्क़ का,

क्या इश्क़ वही है जो कोई सिर पर मँडराता रहे,, क्या इश्क़ वही है की किसिको साथ लेके चलना पड़े,, अगर ऐसा है तो थकान होगी,,थक जाओगे आप,,,करना कोई भी हो हमेशा थकाता है,,, जब तक कोई किसिको साथ लिए चलता है, जब तक वो विलिंग है,,,पर कुछ भी करने के साथ हमेशा इच्छा जुड़ी है,,, और इच्छा का क्या भरोसा,,कब बदल जाए,,, हक़ीक़त में कोई एक इच्छा पकड़ने से इच्छाओं का जाल चालू होता है,,इसलिए अगर कोई किसी इच्छा से जुड़ा है,, वह दूसरी इच्छाओ से भी जुड़ा है,,फिर जब कोई इच्छा छोड़ने जाएगा तो सारी इच्छा ए सर पे ऐसे मँडराती है जैसे कोई हेलिकॉप्टर सर पर है, पहले जब कोई इच्छा के साथ आप जुड़े तो उसके साथ आपका रस होगा,,आप इश्क़ कर बेठे थे,, ऐसा लग रहा था की इश्क़ में से रस आ रहा है, पर वो रस इसलिए आ रहा था क्योंकि आप उसके साथ जुड़े थे,, जैसे ही आप उनसे नाता तोड़ना चाहोगे वो रस जहेर बन जाता है,,जब हम इच्छा को ना पहचानेगे इच्छा किसी वस्तुओं से जुड़ जाती है,, पर किसी वस्तु के पीछे भागना इच्छा के पीछे भागना है,,,बस ऐसे ही इश्क़ का नाम ख़राब हो जाता है,,असल में बात ये हुयी की अगर हमारा इश्क़ ग़लत जगह पे जुड़ा हुवा हो तो यह होना ही था,, ज़हर पीना ही था,,और यही ज़हर अमृत की याद दिलाता है,,क्योंकि ज़हर है तो अमृत भी होगा,,,फिर क्या? फिर अगर अमृत नज़र आ जाए,,,,,उस अमी की याद आ जाए,, फिर वह ज़रना दूर नहीं,,,, महक तो आ गयी है,, संकेत तो मिल गया है,,अब रस भी मिल जाएगा,,हक़ीक़त में रस तो एक ही है,,, सिर्फ़ दिशा बदल जाती है,, ‘उनके’ साथ इश्क़ हो जाए,, फिर दिशा बदल गयी, ‘वही’ रस है,,,,अमृत है, जो पहले से उपलब्ध रहता है,, उसके लिए कोई प्रयत्न नहीं,, इसलिए कोई थकान नहीं,,, हमेशा ताज़गी से भरा,,,हमेशा नया वह इश्क़ का रंग लग जाए,,फिर कोन नहीं कहेगा की में रंग में रंग गया,, फिर सारे रंग इश्क़ के है,, इश्क़ का कोई रंग नहीं,,यह रंग कही भी जाओ हमारे पहले से वह उपलब्ध हो जाता है,,हम यह कह सकते है ‘वह’ हर जगह पे है,, हक़ीक़त में हम जहाँ जाते है वो रंग है, इसलिए हम कहते है ‘वह’ हर जगह पे है, पर इन फ़ैक्ट वही सारी जगह है,,,वह विराट है,,,हम कही जाते है ‘उनके’ अंदर ही जाते है,,हम ‘उनके’ अंदर समाए हुवे है,

Aasthit